



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 445]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 2, 2001/आषाढ़ 11, 1923

No. 445]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 2, 2001/ASADHA 11, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2001

आय-कर

का. आ. 631(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर नियम, 1962 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित और नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (आठवां संशोधन) नियम, 2001 है।

(ख) ये 1 अप्रैल, 2002 को प्रवृत्त होंगे और तदनुसार, निर्धारण वर्ष 2002-2003 तथा पश्चात्यर्ती वर्षों को लागू होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4. अवसूलनीय किराया.—धारा 23 के उपधारा (1) के नीचे स्पष्टीकरण के प्रयोजनों के लिए, किराए की वह रकम जिसे मकान मालिक वसूल नहीं कर सकता है, संदेय किराए की रकम किन्तु निर्धारिती को किराएदार द्वारा संदत्त न की गई रकम के तुल्य होगा और इस प्रकार निम्नलिखित स्थितियों में वहां खो गया और अवसूलनीय साक्षित होगा, जहां,—

(क) किराएदारी सद्भाविक है;

(ख) व्यतिक्रमी किराएदार ने संपत्ति को खाली कर दिया है या संपत्ति को खाली करने के लिए उसे बाध्य करने के लिए कदम उठाए गए हैं;

(ग) व्यतिक्रमी किराएदार के अधिभोग में निर्धारिती की कोई अन्य संपत्ति नहीं है;

(घ) निर्धारिती ने असंदत्त किराए की वसूली के लिए विधिक कार्यवाहियां संस्थित करने के लिए सभी युक्तियुक्त कदम उठाए हैं अथवा निर्धारण अधिकारी का यह समाधान कर देता है कि विधिक कार्यवाहियां निरर्थक होंगी।”।

[अधिसूचना सं. 198/2001/फा. सं. 142/38/2001-टीपीएल]

बत्सला ज्ञा यादव, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का. आ. 969(अ) तारीख 26-3-62 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 120/2001 तारीख 4-5-2001 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 2001

Income-Tax

S.O. 631(E).—In exercise of the powers conferred by Section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further, to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

- 1 (a) These rules may be called the Income-tax (8th Amendment) Rules, 2001.
- (b) They shall come into force on the 1st day of April, 2002 and shall, accordingly, apply to assessment year 2002-2003 and subsequent years.
- 2 In the Income-tax Rules, 1962, for rule 4, the following shall be substituted, namely :—

“4. Unrealised rent.—For the purposes of the Explanation below sub-section (1) of section 23, the amount of rent which the owner cannot realise shall be equal to the amount of rent payable but not paid by a tenant of the assessee and so proved to be lost and irrecoverable where,—

- (a) the tenancy is bona fide;
- (b) the defaulting tenant has vacated, or steps have been taken to compel him to vacate the property;
- (c) the defaulting tenant is not in occupation of any other property of the assessee;
- (d) the assessee has taken all reasonable steps to institute legal proceedings for the recovery of the unpaid rent or satisfies the Assessing Officer that legal proceedings would be useless.”

[Notification No. 198/2001/F. No. 142/38/2001-TPL]
BATSALA JHA YADAV, Under Secy.

Note : The principal rules were published vide notification number S.O. 969(E) dated 26-3-1962 and were last amended vide notification number 120/2001 dated 4-5-2001.